DR.BACHHA KUMAR RAJAK
B.M.COLLEGE RAHIKA MADHUBANI
B.COM PART-I

लेखांकन के लाभ
(ADVANTAGES OF ACCOUNTING)

लेखांकन से सम्बन्धित पक्षों को निम्नलिखित लाभ मिलते हैं : (1) आर्थिक स्थिति की जानकारी (Knowledge of Financial Position)—लेखांकन से व्यवसायी को अपने व्यापार की वास्तविक आर्थिक स्थिति की जानकारी मिलती है जिसके आधार पर वह व्यापार की भविष्यकालीन योजनाएं बनाता है। उसे यह भी जानकारी मिलती है कि व्यापार की सम्पत्तियों और देयताओं की स्थिति क्या है।

2 (2) अशुद्धियों को शुद्ध करना (Rectification of Errors) लेखांकन से लेखों की शुद्धता की जानकारी होती है। फलस्वरूप लेखों की अशुद्धियों को तत्काल दूर कर लिया जाता है।

(3) छल-कपट पर नियन्त्रण (Control on Fraud)—व्यावसायिक संस्थान के कर्मचारी वैज्ञानिक आधार पर खाता वही का निर्माण करते हैं। इससे कर्मचारियों को छल-कपट का अवसर नहीं मिल पाता है। परिणामस्वरूप छल-कपट पर नियन्त्रण रहता है।

(4) कर-निर्धारण में सहायक (Helpful in Assessment of Tax)—लेखांकन विभिन्न प्रकार के करों के निर्धारण में सहायक होते हैं। आयकर विभाग और न्यायालय में वैज्ञानिक आधार पर रखे गये खातों को वैधानिक मान्यता प्राप्त है।

(5) व्यापार का उचित मूल्यांकन (Proper Valuation of Business) लेखांकन पर आधारित खातों के द्वारा किसी भी व्यापार का उचित मूल्यांकन करना सरल होता है। किसी भी व्यवसाय के क्रय या विक्रय के समय ये खाते विश्वसनीय माने जाते हैं।

(6) वैधानिक मान्यता (Legal Recognition)—विवाद की स्थिति में ये खाते न्यायालय में प्रमाण के रूप में वैधानिक मान्यता प्राप्त हैं। वैज्ञानिक ढंग से रखे गये खातों के आधार पर न्यायालय को निर्णय देने में सुविधा होती है।

(7) ख्याति के निर्धारण में सहायक (Helpful in determination of Goodwill)—लेखांकन पर आधारित खाता बही के द्वारा किसी भी व्यवसाय की ख्याति का मूल्यांकन करना सरल होता है।

(8) ऋण लेने में सहायक (Helpful in taking Loan)-बैंकिंग संस्थाएं, विनियोक्ता तथा ऋणदाता लेखांकन के सिद्धान्त पर आधारित खातों को विश्वसनीय मानते हैं। फलस्वरूप व्यवसाय को ऋण लेने में सुविधा होती है।

(9) दिवालिया घोषित कराने में सहायक (Helpful in declaring as an Insolvent)—न्यायालय किसी भी व्यक्ति को दिवालिया घोषित करने से पूर्व उसकी आर्थिक स्थिति को जानना चाहता है। व्यापार की पुस्तकें लेखांकन के नियमों पर आधारित रहने से न्यायालय को निर्णय लेने में सरलता होती है।

(10) महत्वपूर्ण सूचनाओं का ज्ञान (Knowledge of Important Informations)—व्यापारी को लेखांकन के द्वारा क्रय, विक्रय, अन्तिम स्टॉक, आय, व्यय, सम्पत्ति, देयताएं आदि की स्थिति की अद्यतन सूचनाएं मिलती हैं।